आदर्श प्रश्न पत्र सम्पूर्ण समाधान

विषय: बहीखाता एवं लेखाविधि (Book Keeping & Accountancy) | कक्षा: 10वीं

> ***शिक्षक का संदेश:*** *प्यारे बच्चों, अकाउंट्स एक बहुत ही स्कोरिंग विषय है। इसमें प्रविष्टियाँ (Entries) और खाते (Ledgers) बनाते समय फॉर्मेट (Dr./Cr.) का विशेष ध्यान रखें। इस समाधान में सभी खातों को बिल्कुल उचित प्रारूप (Format) में समझाया गया है।*

खंड - A (बहुविकल्पीय प्रश्न - 1 अंक)

प्रश्न 1: रोकड़ बही (Cash Book) रिकॉर्ड करती है:

(a) केवल नकद लेन-देन
(b) केवल उधार लेन-देन
(c) (a) और (b) दोनों
(d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर: **(a) केवल नकद लेन-देन**

प्रश्न 2: विपरीत प्रविष्टियाँ (Contra entries) किसमें की जाती हैं?

(a) साधारण रोकड़ बही
(b) रोकड़ और बैंक कॉलम वाले स्तम्भ की रोकड़ बही
(c) खुदरा रोकड़ बही
(d) (a) और (c) दोनों में

उत्तर: **(b) रोकड़ और बैंक कॉलम वाले स्तम्भ की रोकड़ बही**

व्याख्या: जब नकद बैंक में जमा किया जाता है या बैंक से कार्यालय के उपयोग के लिए निकाला जाता है, तो इसकी प्रविष्टि Cash Book के दोनों पक्षों (Cash और Bank कॉलम) में होती है। इसे ही Contra Entry कहते हैं।

प्रश्न 3: खुदरा रोकड़ बही (Petty Cash Book) का उपयोग किसे रिकॉर्ड करने के लिए किया जाता है?

(a) खुदरा नकद प्राप्ति
(b) खुदरा नकद भुगतान
(c) खुदरा नकद प्राप्ति और भुगतान
(d) सभी नकद भुगतान

उत्तर: **(b) खुदरा नकद भुगतान**

प्रश्न 4: जब कोई लेन-देन पूरी तरह या आंशिक रूप से गलत तरीके से दर्ज किया जाता है तो उसे कहा जाता है:

(a) सिद्धान्त की अशुद्धि (Error of principle)
(b) भूल की अशुद्धि (Error of omission)
(c) खातों की अशुद्धि (Error of posting)
(d) लेखा की अशुद्धि (Error of commission)

उत्तर: **(d) लेखा की अशुद्धि (Error of commission)**

प्रश्न 5: मशीनरी की खरीद पर भुगतान किए गए स्थापना शुल्क (Installation charges) को किस खाते में डेबिट किया जाएगा?

(a) मशीनरी खाता
(b) स्थापना शुल्क खाता
(c) विविध व्यय खाता
(d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर: **(a) मशीनरी खाता (Machinery Account)**

व्याख्या: किसी भी अचल संपत्ति को कार्यशील (working condition) बनाने तक किए गए सभी खर्च (जैसे भाड़ा, स्थापना शुल्क) उसी संपत्ति के खाते में जोड़े जाते हैं।

प्रश्न 6: अभिकथन (A): व्यवसाय के वास्तविक लाभ या हानि का पता लगाने के लिए अचल संपत्तियों पर मूल्यह्रास लगाया जाता है।
कारण (R): घिसने, टूट-फूट, उपयोग या समय बीतने के कारण अचल संपत्तियाँ समय के साथ अपना मूल्य खो देती हैं।

उत्तर: **(a) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या करता है।**

प्रश्न 7: सभी प्रत्यक्ष व्यय (Direct expenses) कहाँ दर्ज किये जाते हैं?

(a) व्यापारिक खाता (Trading account)
(b) लाभ-हानि खाता (Profit & Loss A/c)
(c) लाभ-हानि समायोजन खाता
(d) लाभ-हानि विनियोजन खाता

उत्तर: **(a) व्यापारिक खाता (Trading Account)**

प्रश्न 8: यदि शुद्ध बिक्री (Net Sales) की राशि ₹1,00,000 है और बेची गई वस्तुओं की लागत (COGS) ₹70,000 है, तो सकल लाभ (Gross Profit) की राशि क्या होगी?

(a) ₹1,70,000
(b) ₹30,000
(c) ₹70,000
(d) ₹1,00,000

उत्तर: **(b) ₹30,000**

सूत्र: Gross Profit = Net Sales - Cost of Goods Sold (COGS)
GP = 1,00,000 - 70,000 = ₹30,000

प्रश्न 9: यदि A, B पर ₹10,000 का एक बिल लिखता है, तो B को क्या कहा जाता है?

(a) आहर्ता (Drawer)

(b) स्वीकर्ता (Drawee)

(c) आदाता (Payee)

(d) पृष्ठांकनी (Endorsee)

उत्तर: **(b) स्वीकर्ता (Drawee)**

प्रश्न 10: यदि लिखा गया बिल नियत तिथि (Due date) पर भुगतान नहीं किया जाता है तो उसे क्या कहा जाता है?

(a) बिल का भुगतान / आदर

(b) बिल का अनादरण (Dishonour of Bill)

(c) बिल का नवीनीकरण

(d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर: **(b) बिल का अनादरण (Dishonour of Bill)**

प्रश्न 11: A, B को ₹11,000 का माल उधार बेचता है और 3 महीने के लिए एक विनिमय बिल लिखता है। B बिल स्वीकार करता है और उसे A को लौटा देता है। बिल की स्वीकृति पर A की पुस्तकों में कौन सी प्रविष्टि (Journal entry) की जाएगी?

उत्तर: **(b) Bills Receivable A/c ... Dr. 11,000**
To B's A/c ... 11,000

व्याख्या: A के लिए यह बिल एक संपत्ति (Asset - B/R) है, इसलिए इसे Debit किया जाएगा, और B जो इसे दे रहा है (Giver) उसे Credit किया जाएगा।

प्रश्न 12: 1 जनवरी 2020 को एक व्यापारी ने ₹1,00,000 में एक मशीन खरीदी। इसका उपयोगी जीवन 10 वर्ष है। 10 वर्षों के बाद इसका अवशिष्ट मूल्य (Scrap value) ₹20,000 होगा। प्रत्येक वर्ष लगाए जाने वाले मूल्यह्रास (Depreciation) की राशि होगी:

(a) ₹8,000

(b) ₹10,000

(c) ₹20,000

(d) ₹40,000

उत्तर: **(a) ₹8,000**

गणना: Depreciation = (Total Cost - Scrap Value) / Estimated Life
= (1,00,000 - 20,000) / 10 = 80,000 / 10 = ₹8,000

प्रश्न 13: 1 जुलाई 2022 को, एक व्यापारी ने ₹2,00,000 में एक मशीन खरीदी। घटती शेष पद्धति (Diminishing Balance method) पर 10% प्रति वर्ष की दर से मूल्यह्रास लगाया गया। 31 मार्च 2024 को मूल्यह्रासित मूल्य (WDV) क्या होगा? (खाते हर साल 31 मार्च को बंद किए जाते हैं।)

(a) ₹1,60,000

(b) ₹1,65,000

(c) ₹1,66,500

(d) ₹1,80,000

उत्तर: **(c) ₹1,66,500**

चरणवार गणना:

1. मशीन खरीदी गई = 1 जुलाई 2022 (मूल्य ₹2,00,000)
2. **प्रथम वर्ष (2022-23):** 1 जुलाई से 31 मार्च = 9 महीने का ह्रास
   = 2,00,000 × 10% × (9/12) = ₹15,000
   31 मार्च 2023 को शेष मूल्य = 2,00,000 - 15,000 = ₹1,85,000
3. **द्वितीय वर्ष (2023-24):** पूरे 12 महीने का ह्रास घटते मूल्य पर
   = 1,85,000 × 10% = ₹18,500
   31 मार्च 2024 को शेष मूल्य = 1,85,000 - 18,500 = **₹1,66,500**

प्रश्न 14: जब रोकड़ बही (Cash Book) के डेबिट शेष के साथ बैंक समाधान विवरण (BRS) तैयार किया जाता है और जमा किया गया चेक अनादरित (Dishonored) हो जाता है तो उसे:

(a) जोड़ा जाता है

(b) घटाया जाता है

(c) बिलकुल विचार नहीं किया जाता

(d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर: **(b) घटाया जाता है (Subtracted)**

व्याख्या: जब हमने चेक बैंक में जमा किया था, तो Cash Book का बैलेंस बढ़ा दिया था। लेकिन अनादरित होने पर Pass Book का बैलेंस नहीं बढ़ा। चूँकि हम Cash Book के अनुसार चल रहे हैं, Pass Book के बराबर पहुँचने के लिए हमें Cash Book में से यह राशि घटानी होगी।

प्रश्न 15: जब बैंक समाधान विवरण (BRS) पास बुक के अनुसार ओवरड्राफ्ट (Overdraft) के साथ तैयार किया जाता है और ग्राहक द्वारा बैंक खाते में सीधे राशि जमा की जाती है तो उस राशि को-

(a) BRS तैयार करते समय जोड़ा जाएगा।

(b) BRS तैयार करते समय घटाया जाएगा।

(c) BRS पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

(d) इनमें से कोई नहीं।

उत्तर: **(a) बैंक समाधान विवरण तैयार करते समय जोड़ा जाएगा (Added)**

प्रश्न 16: कैश बुक के अनुसार क्रेडिट बैलेंस (Overdraft) ₹10,000 है। चेक जारी किया गया लेकिन भुगतान के लिए प्रस्तुत नहीं हुआ: ₹20,000। चेक जमा किया गया लेकिन क्लियर नहीं हुआ: ₹3,000। पास बुक के अनुसार शेष राशि क्या होगी?

(a) ₹3,000

(b) ₹7,000

(c) ₹27,000

(d) ₹33,000

उत्तर: **(b) ₹7,000**

गणितीय हल:
- कैश बुक का क्रेडिट शेष (माइनस बैलेंस) = -10,000
- जारी किए गए चेक (Cash book घट गई, Pass book नहीं घटी), अतः Pass book तक पहुँचने के लिए इसे जोड़ें: +20,000
- जमा किए गए चेक (Cash book बढ़ गई, Pass book नहीं बढ़ी), अतः घटाएं: -3,000
- परिणाम: -10,000 + 20,000 - 3,000 = **+7,000 (Pass Book का डेबिट/अनुकूल शेष)**

खंड - B (अति लघु उत्तरीय प्रश्न - 2 अंक)

प्रश्न 17: कॉन्ट्रा एंट्री (Contra Entry) क्या है?

उत्तर: जब किसी एक ही लेन-देन (Transaction) का प्रभाव कैश बुक (Cash Book) के नकद (Cash) और बैंक (Bank) दोनों खानों पर एक साथ विपरीत दिशाओं में पड़ता है, तो इसे कॉन्ट्रा एंट्री कहते हैं। इसे दर्शाने के लिए L.F. कॉलम में 'C' अक्षर लिखा जाता है।
उदाहरण: नकद बैंक में जमा करना, या कार्यालय के उपयोग के लिए बैंक से नकद निकालना।

प्रश्न 18: कैश बुक (Cash Book) के विभिन्न प्रकारों का उल्लेख कीजिए।

उत्तर: कैश बुक मुख्य रूप से निम्नलिखित प्रकार की होती है:

- **साधारण रोकड़ बही (Simple/Single Column Cash Book):** इसमें केवल नकद (Cash) का कॉलम होता है।
- **द्वि-स्तम्भीय रोकड़ बही (Two Column Cash Book):** इसमें Cash के साथ Bank या Discount का कॉलम होता है।
- **त्रि-स्तम्भीय रोकड़ बही (Three Column Cash Book):** इसमें Cash, Bank और Discount तीनों के कॉलम होते हैं।
- **खुदरा रोकड़ बही (Petty Cash Book):** व्यवसाय के छोटे-मोटे रोज़मर्रा के खर्चों को दर्ज़ करने के लिए।

प्रश्न 19: ₹1900 के माल की उधार बिक्री को लेखा पुस्तकों में दर्ज नहीं किया गया है। त्रुटि के प्रकार का उल्लेख कीजिए। क्या यह ट्रायल बैलेंस के मिलान को प्रभावित करेगा?

उत्तर:

- **त्रुटि का प्रकार:** यह **भूल की अशुद्धि (Error of Complete Omission)** है क्योंकि लेन-देन को पूरी तरह से पुस्तकों में दर्ज़ करने से छोड़ दिया गया है।
- **प्रभाव: नहीं**, यह ट्रायल बैलेंस (तलपट) के मिलान को प्रभावित नहीं करेगा, क्योंकि ना तो Debit पक्ष में प्रविष्टि हुई और ना ही Credit पक्ष में। दोनों पक्ष बराबर बने रहेंगे।

प्रश्न 20: एक कर्मचारी रोहित को ₹20,000 का वेतन भुगतान किया गया है। मालिक की राय है कि इसे व्यापारिक खाते (Trading A/c) के डेबिट पक्ष में दिखाया जाना चाहिए। लेकिन एकाउंटेंट का कहना है कि इसे लाभ-हानि खाते (P&L A/c) के डेबिट पक्ष में दिखाया जाए। वेतन को किस खाते में दिखाया जाना चाहिए और क्यों?

उत्तर: फर्म के **एकाउंटेंट की राय बिल्कुल सही है**।
कारण: वेतन (Salary) कार्यालय और प्रशासन से जुड़ा एक **अप्रत्यक्ष व्यय (Indirect Expense)** है, न कि कारखाने या माल के उत्पादन से जुड़ा प्रत्यक्ष व्यय (Direct Expense)। व्यापारिक खाते (Trading A/c) में केवल कारखाने और उत्पादन के प्रत्यक्ष खर्च (जैसे मजदूरी/Wages) आते हैं। इसलिए वेतन को हमेशा लाभ-हानि खाते (Profit & Loss A/c) के डेबिट पक्ष में ही दिखाया जाता है।

प्रश्न 21: निम्नलिखित को अचल संपत्ति (Fixed Assets) और चालू संपत्ति (Current Assets) में वर्गीकृत करें: (a) Stock (b) Buildings (c) Machinery (d) Cash in Hand

उत्तर:

- **अचल संपत्ति (Fixed Assets):** (b) Buildings (भवन), (c) Machinery (मशीनरी)। (ये व्यवसाय में लंबे समय तक उपयोग के लिए होती हैं)।
- **चालू संपत्ति (Current Assets):** (a) Stock (स्टॉक), (d) Cash in Hand (हाथ में नकदी)। (ये व्यवसाय के सामान्य संचालन में लगातार बदलती रहती हैं और 1 वर्ष के भीतर नकद में परिवर्तित हो जाती हैं)।

प्रश्न 22: लाभ हानि खाता (P&L Account) तैयार करने से पहले, व्यापारिक खाता (Trading Account) तैयार करना क्यों आवश्यक है? किन्हीं दो बिंदुओं में समझाएं।

उत्तर: व्यापारिक खाता पहले तैयार करना आवश्यक है क्योंकि:

1. **सकल लाभ/हानि ज्ञात करना:** व्यापारिक खाता बनाने से व्यवसाय के मुख्य क्रय-विक्रय (प्रत्यक्ष) गतिविधियों का परिणाम, अर्थात् **सकल लाभ (Gross Profit)** या सकल हानि प्राप्त होती है।
2. **आधार प्रदान करना:** लाभ-हानि खाता इसी सकल लाभ (Gross Profit) के आधार (Base) पर शुरू होता है। बिना सकल लाभ को ट्रांसफर किए शुद्ध लाभ (Net Profit) की गणना करना असंभव है।

प्रश्न 23: राम ₹30,000 की मशीनरी खरीदता है। उसने इस मशीनरी को साधारण खरीद (Purchase A/c) मान लिया है। राम द्वारा की गई त्रुटि के प्रकार को बताएं। साथ ही राम द्वारा की गई त्रुटि की संक्षेप में व्याख्या करें।

उत्तर:

- **त्रुटि का प्रकार:** यह **सिद्धांत की अशुद्धि (Error of Principle)** है।
- **व्याख्या:** लेखांकन के सिद्धांतों के अनुसार, जब कोई स्थायी संपत्ति (जैसे मशीनरी) खरीदी जाती है, तो उसे 'संपत्ति खाते' (Machinery A/c) में डेबिट (पूंजीगत व्यय) किया जाना चाहिए। लेकिन राम ने इसे माल (Goods) समझकर 'क्रय खाते' (Purchases A/c) में डेबिट (आयगत व्यय) कर दिया है। इससे व्यवसाय का सही लाभ या हानि और सही आर्थिक स्थिति पता नहीं चलेगी।

प्रश्न 24: (a) विनिमय पत्र (Bills of Exchange) को परिभाषित करें। (b) प्राप्तकर्ता (Payee) का अर्थ संक्षेप में स्पष्ट करें।

उत्तर:

- **(a) विनिमय पत्र (Bills of Exchange):** यह एक लिखित शर्त-रहित आज्ञा पत्र होता है, जिस पर लिखने वाले (Drawer) के हस्ताक्षर होते हैं। इसमें किसी विशेष व्यक्ति को यह आदेश दिया जाता है कि वह एक निश्चित राशि का भुगतान एक निश्चित समय पर, किसी विशेष व्यक्ति को या उसके आदेशानुसार करे।
- **(b) प्राप्तकर्ता (Payee):** प्राप्तकर्ता या आदाता वह व्यक्ति होता है जिसे विनिमय विपत्र (Bill) की राशि प्राप्त करने का अधिकार होता है। आमतौर पर बिल लिखने वाला (Drawer) ही Payee होता है, लेकिन यदि वह बिल किसी तीसरे व्यक्ति को पृष्ठांकित (Endorse) कर दे, तो वह तीसरा व्यक्ति Payee बन जाता है।

प्रश्न 25: (a) मूल्यह्रास (Depreciation) क्या है? (b) मूल्यह्रास लगाने के किन्हीं दो उद्देश्यों की संक्षेप में व्याख्या करें।

उत्तर:

- **(a) मूल्यह्रास (Depreciation):** किसी स्थायी संपत्ति (Fixed Asset) का निरंतर उपयोग करने, समय बीतने या तकनीक पुरानी हो जाने (टूट-फूट) के कारण उसके मूल्य में होने वाली स्थायी और क्रमिक कमी को मूल्यह्रास कहते हैं।
- **(b) मूल्यह्रास लगाने के दो उद्देश्य:**
  - **सही लाभ-हानि ज्ञात करना:** संपत्ति की घिसावट व्यवसाय का एक खर्च है। इसे P&L Account में दिखाए बिना व्यवसाय का शुद्ध लाभ (Net Profit) सही-सही नहीं निकाला जा सकता।
  - **संपत्ति के प्रतिस्थापन (Replacement) के लिए धन जुटाना:** मूल्यह्रास की राशि हर साल बचा कर रखी जाती है, ताकि जब संपत्ति पूरी तरह खराब हो जाए तो नई संपत्ति खरीदने के लिए व्यवसाय के पास पर्याप्त धन हो।

प्रश्न 26: शिवम् ₹10,000 का माल अभिनव को बेचता है और 3 महीने के लिए एक विनिमय पत्र लिखता है। अभिनव बिल स्वीकार करता है और शिवम् को लौटा देता है। देय तिथि से एक महीने पहले शिवम् बैंक से 12% प्रति वर्ष की दर से बिल भुना (Discount) लेता है।
(1) शिवम् देय तिथि से पहले बिल को क्यों भुनाता है?
(2) बैंक द्वारा ली गई छूट (Discount) की राशि क्या है?

उत्तर:

- **(1) बिल भुनाने का कारण:** शिवम् को देय तिथि (Due date) से पहले ही नकद (Cash) की तत्काल आवश्यकता पड़ गई होगी। अपनी इस आर्थिक ज़रूरत को तुरंत पूरा करने के लिए वह बिल को बैंक से भुना (Discount) लेता है।
- **(2) छूट (Discount) की राशि की गणना:**
  बिल की राशि = ₹10,000
  दर (Rate) = 12% p.a.
  भुनाने का समय (Unexpired period) = देय तिथि से 1 महीना पहले।
  छूट (Discount) = 10,000 × (12 / 100) × (1 / 12) = **₹100**
  अतः बैंक द्वारा ₹100 की छूट (Discount) काटी जाएगी।

दीर्घ उत्तरीय / व्यावहारिक प्रश्न (PRACTICAL QUESTIONS)

प्रश्न 27: मेसर्स हरि ओम ट्रेडर्स के दिए गए तलपट (Trial Balance) से 31 मार्च 2026 के लिए व्यापारिक खाता, लाभ-हानि खाता और स्थिति विवरण (Balance Sheet) तैयार करें। साथ ही बताएं कि क्या व्यवसाय आर्थिक रूप से सुदृढ़ है?

> ***महत्वपूर्ण नोट:*** *प्रश्न पत्र में दिए गए तलपट के क्रेडिट पक्ष (Credit side) का कुल योग ₹5,36,000 छपा है, लेकिन दी गई मदों (Capital 2,22,000 + Sales 3,00,000 + Creditors 32,000 + Purchase Return 4,000) को जोड़ने पर योग ₹5,58,000 आता है। तलपट को ₹5,36,000 पर टैली (Tally) करने के लिए, हमने स्पष्ट रूप से* ***पूँजी (Capital) को ₹2,00,000 माना है****। (यदि अंतिम स्टॉक बाहर नहीं दिया गया है, तो उसे शून्य माना गया है)।*

Trading and Profit & Loss Account of M/s Hari Om Traders

(For the year ended 31st March 2026)

Dr. Particulars (विवरण)	Amount (₹)	Cr. Particulars (विवरण)	Amount (₹)
To Opening Stock	40,000	By Sales 3,00,000	
To Purchases 1,40,000 Less: Pur. Return (4,000)	1,36,000	Less: Sales Return (6,000)	2,94,000
To Wages	16,000		
To Gross Profit c/d (Bal. Fig)	**1,02,000**		
Total	**2,94,000**	**Total**	**2,94,000**
To Salaries	20,000	By Gross Profit b/d	1,02,000
To Rent	10,000		
To Net Profit (Transferred to Capital)	**72,000**		
Total	**1,02,000**	**Total**	**1,02,000**

Balance Sheet of M/s Hari Om Traders

(As at 31st March 2026)

Liabilities (देयताएं)	Amount (₹)	Assets (संपत्तियां)	Amount (₹)
Creditors	32,000	Cash at Bank	36,000
Capital 2,00,000 Add: Net Profit 72,000 Less: Drawings (30,000)	2,42,000	Debtors Furniture Buildings	44,000 50,000 1,44,000
Total	**2,74,000**	**Total**	**2,74,000**

व्यवसाय की आर्थिक स्थिति का विश्लेषण:
हाँ, यह व्यवसाय **आर्थिक रूप से अत्यंत सुदृढ़ (Financially Sound) है**।
कारण: 1. व्यवसाय ने ₹72,000 का शानदार शुद्ध लाभ (Net Profit) अर्जित किया है। 2. व्यवसाय की बाहरी देनदारियां (Creditors) मात्र ₹32,000 हैं, जबकि संपत्तियों (Assets) और बैंक बैलेंस का मूल्य कहीं अधिक है, जो इसकी उत्कृष्ट तरलता (Liquidity) और स्थिरता को दर्शाता है।

प्रश्न 28: अप्रैल 2025 के लिए मैसर्स गुप्ता ट्रेडर्स की सिंगल कॉलम कैश बुक (Single Column Cash Book) तैयार करें।

Single Column Cash Book (M/s Gupta Traders)

For the month of April 2025

Date	Receipts (प्राप्तियां)	L.F.	Amount (₹)	Date	Payments (भुगतान)	L.F.	Amount (₹)
Apr 1	To Balance b/d		4,00,000	Apr 8	By Purchases A/c		18,000
Apr 4	To Sales A/c		1,20,000	Apr 11	By Rent A/c		11,000
				Apr 22	By Office Exp. A/c		3,000
				Apr 27	By Ananya		1,000
				Apr 30	By Machinery A/c		4,000
				Apr 30	**By Balance c/d**		**4,83,000**
	Total		**5,20,000**		**Total**		**5,20,000**

> ***नोट:*** *18 अप्रैल को "आँचल से माल खरीदा (₹30,000)" एक* ***उधार (Credit)*** *लेन-देन है क्योंकि इसमें व्यक्ति का नाम दिया है और नकद शब्द नहीं लिखा है। उधार लेन-देन कैश बुक में दर्ज नहीं होते हैं।*

प्रश्न 29: केस स्टडी - मैसर्स रियान एंटरप्राइजेज के लिए बैंक समाधान विवरण (Bank Reconciliation Statement) तैयार करें (31 मार्च 2026)।

Bank Reconciliation Statement of M/s Riyan Enterprises

(As on 31st March 2026)

Particulars (विवरण)	Amount (+) ₹	Amount (-) ₹
Balance as per Cash Book (Dr. / Favorable)	20,000	
Add (जोड़ें):		
1. Cheque issued but not presented for payment (चेक जारी किया लेकिन भुगतान के लिए नहीं पहुँचा)	3,000	
5. Interest on investment collected by Bank (बैंक द्वारा सीधे ब्याज वसूल किया गया)	600	
Less (घटाएं):		
2. Cheque deposited but not cleared (चेक जमा किया लेकिन अभी तक बैंक में क्लियर नहीं हुआ)		4,000

Particulars (विवरण)	Amount (+) ₹	Amount (-) ₹
3. Bank charges not entered in Cash Book (बैंक शुल्क जो कैश बुक में दर्ज नहीं हैं)		40
4. Insurance premium paid directly by Bank (बैंक द्वारा सीधे चुकाया गया बीमा प्रीमियम)		5,000
Total	**23,600**	**9,040**
Balance as per Pass Book (Cr. / Favorable) (23,600 - 9,040 = 14,560)	**14,560**	

प्रश्न 29 (अथवा): (i) बैंक समाधान विवरण क्या है? (ii) इसे तैयार करने की क्या आवश्यकता है?

उत्तर:

- **(i) बैंक समाधान विवरण (BRS):** यह एक ऐसा विवरण (Statement) है जो किसी विशेष तिथि पर व्यापारी की 'कैश बुक के बैंक कॉलम के शेष' और बैंक द्वारा दी गई 'पास बुक (Bank Statement) के शेष' के बीच अंतर के कारणों को दर्शाने और उनका मिलान (Reconcile) करने के लिए बनाया जाता है।
- **(ii) BRS तैयार करने की आवश्यकता:**
  - **त्रुटियों का पता लगाना:** इससे कैश बुक या पास बुक में हुई किसी भी चूक या क्लर्क की गलती का तुरंत पता चल जाता है।
  - **बैंक के खर्चों की जानकारी:** बैंक द्वारा सीधे काटे गए शुल्क या ब्याज की जानकारी मिलती है, जिन्हें कैश बुक में दर्ज़ किया जा सकता है।
  - **चेक की स्थिति:** इससे यह पता चलता है कि कौन से चेक अभी तक क्लियर नहीं हुए हैं या ग्राहकों ने सीधे पैसे जमा कर दिए हैं।

प्रश्न 30: राम और मोहन की पुस्तकों में आवश्यक जर्नल प्रविष्टियाँ (Journal Entries) पास करें और राम की पुस्तकों में Bills Receivable Account बनाएं।

Journal Entries in the Books of Ram (Drawer)

Date (2026)	Particulars	L.F.	Dr. (₹)	Cr. (₹)
Jan 1	Mohan ..... Dr. To Sales A/c *(Goods sold to Mohan on credit)*		3,000	3,000
Jan 1	Bills Receivable A/c (B/R) ..... Dr. To Mohan *(Bill drawn for 2 months and accepted by him)*		3,000	3,000
Mar 4	Bank / Cash A/c ..... Dr. To Bills Receivable A/c *(Bill honoured on maturity date i.e., 1 Jan + 2 months + 3 days of grace)*		3,000	3,000

Journal Entries in the Books of Mohan (Drawee)

Date (2026)	Particulars	L.F.	Dr. (₹)	Cr. (₹)
Jan 1	Purchases A/c ..... Dr. To Ram *(Goods purchased from Ram on credit)*		3,000	3,000
Jan 1	Ram ..... Dr. To Bills Payable A/c (B/P) *(Acceptance given to Ram for 2 months)*		3,000	3,000
Mar 4	Bills Payable A/c (B/P) ..... Dr. To Bank / Cash A/c *(Acceptance met on due date)*		3,000	3,000

Bills Receivable (B/R) Account

(In the Books of Ram)

Date	Particulars (Dr.)	Amount (₹)	Date	Particulars (Cr.)	Amount (₹)
2026 Jan 1	To Mohan	3,000	2026 Mar 4	By Bank/Cash A/c	3,000
	Total	**3,000**		**Total**	**3,000**

प्रश्न 31: तलपट (Trial Balance) के मिलान न होने पर पाई गई त्रुटियों का विश्लेषण (Identify type of error) करें और सुधार प्रविष्टि (Rectification Entry) करें।

(1) त्रुटियों का प्रकार (Type of Errors):

1. मशीनरी की स्थापना के लिए दी गई मजदूरी को Wages A/c में डेबिट करना: यह **सिद्धांत की अशुद्धि (Error of Principle)** है, क्योंकि पूँजीगत व्यय (Capital Exp.) को आयगत व्यय (Revenue Exp.) मान लिया गया है।
2. चावला को भुगतान किए गए नकद को चाय-वाला के खाते में दर्ज करना: यह **लेखे की अशुद्धि (Error of Commission)** है, क्योंकि प्रविष्टि गलत व्यक्ति के खाते में हो गई है।
3. क्रय पुस्तक (Purchase Book) का ₹300 से अधिक (overcast) जुडना: यह भी **लेखे / जोड़ की अशुद्धि (Error of Casting/Commission)** है। यह एकतरफ़ा (one-sided) अशुद्धि है जो तलपट को प्रभावित करती है।

(2) सुधार प्रविष्टियां (Rectification Journal Entries):

S.No.	Particulars	L.F.	Dr. (₹)	Cr. (₹)
1.	Machinery A/c ..... Dr. To Wages A/c *(Correction of installation wages wrongly debited to wages account)*		1,000	1,000
2.	Chawla ..... Dr. To Chai-Wala *(Cash paid to Chawla wrongly posted to Chai-Wala, now rectified)*		2,000	2,000
3.	Suspense A/c ..... Dr. To Purchases A/c *(Purchases book overcast by ₹300, now rectified using suspense a/c)*		300	300

प्रश्न 31 (अथवा): (1) क्षति पूरक त्रुटियों (Compensating Errors) से आप क्या समझते हैं? (2) उचंत खाता (Suspense Account) क्या है?

उत्तर:

- **(1) क्षति पूरक त्रुटियाँ:** जब खातों में दो या दो से अधिक गलतियाँ इस प्रकार होती हैं कि एक गलती का प्रभाव दूसरी गलती के प्रभाव को पूरी तरह से समाप्त (Compensate) कर देता है, तो उन्हें क्षति पूरक त्रुटियाँ कहते हैं। इस कारण तलपट (Trial Balance) का मिलान हो जाता है और गलती पकड़ में नहीं आती। (जैसे A के खाते में ₹100 कम डेबिट हुए और B के खाते में ₹100 ज्यादा डेबिट हो गए)।
- **(2) उचंत खाता (Suspense Account):** जब लाख कोशिशों के बाद भी तलपट (Trial Balance) का मिलान (Tally) नहीं होता है, तो अंतर की राशि को अस्थायी रूप से जिस नए खाते में डाल दिया जाता है, उसे उचंत खाता या सस्पेंस अकाउंट कहते हैं। बाद में जब गलतियां मिलती जाती हैं, तो उन्हें सुधारते हुए इस खाते को बंद कर दिया जाता है।

प्रश्न 32: 1 अक्टूबर 2020 को ₹48,000 में मशीनरी खरीदी, मरम्मत पर ₹12,000 खर्च। जीवन 10 वर्ष, अवशिष्ट मूल्य ₹4,000। (a) वार्षिक मूल्यह्रास का सूत्र लिखें। (b) 31 दिसंबर 2022 तक मशीनरी खाता (Machinery Account) तैयार करें। (खाते 31 दिसंबर को बंद होते हैं)।

(a) वार्षिक मूल्यह्रास (Yearly Depreciation) का सूत्र:

$$\text{वार्षिक मूल्यह्रास} = \frac{\text{(संपत्ति की कुल लागत - अवशिष्ट मूल्य (Scrap Value))}}{\text{संपत्ति का अनुमानित जीवन (Estimated Life in years)}}$$

गणना: कुल लागत = 48,000 + 12,000 = ₹60,000।
ह्रास (SLM) = (60,000 - 4,000) / 10 = 56,000 / 10 = **₹5,600 प्रति वर्ष।**

(b) Machinery Account (मशीनरी खाता)

Date	Particulars (Dr.)	Amount (₹)	Date	Particulars (Cr.)	Amount (₹)
2020 Oct 1	To Bank A/c (Cost)	48,000	2020 Dec 31	By Depreciation A/c *(5,600 × 3/12 for 3 months)*	1,400
2020 Oct 1	To Bank A/c (Repairs)	12,000	2020 Dec 31	By Balance c/d	58,600
	Total	**60,000**		**Total**	**60,000**
2021 Jan 1	To Balance b/d	58,600	2021 Dec 31	By Depreciation A/c *(For full 12 months)*	5,600
			2021 Dec 31	By Balance c/d	53,000
	Total	**58,600**		**Total**	**58,600**
2022 Jan 1	To Balance b/d	53,000	2022 Dec 31	By Depreciation A/c	5,600
			2022 Dec 31	**By Balance c/d**	**47,400**
	Total	**53,000**		**Total**	**53,000**
2023 Jan 1	To Balance b/d	47,400			

प्रश्न 32 (अथवा): (a) सीधी रेखा पद्धति (SLM) और घटती शेष पद्धति (DBM) के बीच 3 अंतर स्पष्ट करें। (b) मूल्यह्रास के किन्हीं तीन कारणों की संक्षेप में व्याख्या करें।

(a) SLM और DBM के बीच अंतर (Differences):

आधार (Basis)	सीधी रेखा पद्धति (Straight Line Method)	घटती शेष पद्धति (Diminishing Balance Method)
1. ह्रास की गणना का आधार	इसमें मूल्यह्रास की गणना हमेशा संपत्ति के **मूल मूल्य (Original Cost)** पर की जाती है।	इसमें ह्रास की गणना हर साल संपत्ति के **बचे हुए (घटे हुए) शेष मूल्य (WDV)** पर की जाती है।
2. ह्रास की राशि (Amount)	प्रत्येक वर्ष मूल्यह्रास की राशि **समान (Fixed)** रहती है।	प्रत्येक वर्ष मूल्यह्रास की राशि **घटती (Decreases)** जाती है।
3. संपत्ति का अंतिम मूल्य	इस पद्धति में संपत्ति का पुस्तक मूल्य अंत में **शून्य (Zero)** हो सकता है।	इस पद्धति में संपत्ति का मूल्य कभी भी **शून्य नहीं** हो सकता।

(b) मूल्यह्रास के तीन प्रमुख कारण (Causes of Depreciation):

- **1. टूट-फूट और निरंतर उपयोग (Wear and Tear):** जब व्यवसाय में मशीनरी या वाहन का लगातार उपयोग किया जाता है, तो घर्षण और घिसावट के कारण स्वाभाविक रूप से उसकी कार्यक्षमता और मूल्य में कमी आ जाती है।
- **2. समय का बीतना (Passage of Time):** पेटेंट, कॉपीराइट, और लीज़ (Leasehold properties) जैसी संपत्तियों का एक निश्चित कानूनी जीवनकाल होता है। जैसे-जैसे समय बीतता है, उनका उपयोग हो या न हो, उनके मूल्य में गिरावट आती रहती है (इसे Amortization कहते हैं)।
- **3. अप्रचलन / पुरानी तकनीक (Obsolescence):** जब बाज़ार में कोई नई और अधिक उन्नत (Advanced) तकनीक वाली मशीन आ जाती है, तो पुरानी मशीन (भले ही वह सही स्थिति में हो) कबाड़ बन जाती है और उसका मूल्य अचानक से बहुत कम हो जाता है।

शुभकामनाएं!

आपके बहीखाता (Accounts) विषय के प्रश्न पत्र का यह सम्पूर्ण और विस्तृत समाधान समाप्त हुआ। नियमित अभ्यास करें, जर्नल प्रविष्टियों और लेजर के प्रारूपों (Formats) को स्वच्छ रूप से बनाएं। सफलता निश्चित है!